क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 28, बुधवार, 20 फरवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुछ राजनीतिक दल अपने स्वार्थ के लिए बार-बार जात-पात का मुद्दा उठाते रहते हैं- PM मोदी

यह दूसरा अवसर है जब संत रविदास जयंती के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी वाराणसी में

वाराणसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष विमान से मंगलवार (19 फरवरी) को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पीएम मोदी की अगवानी राज्यपाल राम नाईक के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, नगर विकास मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ। महेंद्रनाथ पाण्डेय व वाराणसी की महापौर के साथ भाजपा के अन्य नेताओं ने की। नरेंद्र मोदी काशी के लोगों को 3382 करोड़ की सौगात देंगे। पीएम मोदी सड़क, पर्यटन, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास की 39 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। हम सभी भाग्यशाली हैं, जिन्हें गुरुओं, संतो

और ऋषियों-मुनियों का मार्गदर्शन मिला। गुरुओं का ये ज्ञान और महान परम्परा ऐसे ही हमारी पीढ़ियों को रास्ता दिखाती रहे, इसके लिए भी हमारी सरकार लगातार कार्य कर रही है। संत रविदास जी के आशीर्वाद से नए भारत में बेईमानी के लिए, भ्रष्ट आचरण के लिए कोई स्थान नहीं। ईमानदारी से जो आगे बढ़ना चाहते हैं, उनके लिए हमारी सरकार कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी मिलेगी। वाराणसी पहुंचे पीएम मोदी ने यहां जनता को संबोधित करते हुए कहा कि, हमारे नौजवान साथी जो डिजिटल इंडिया के युग में सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था का हिस्सा बन रहे हैं, हम उनके साथ मिलकर वर्तमान स्थिति को बदलने वाले है। हमें उन लोगों को पहचानना होगा, जो अपने स्वार्थ और राजनीतिक लाभ के लिए जात-पात का मुद्दा उठाते हैं। गरीब परिवारों को मुफ्त में बिजली का कनेक्शन, मुफ्त में गैस कनेक्शन, 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज, किसानों के लिए सिंचाई व्यवस्था और 6,000 रुपये वार्षिक अनुदान के साथ ही अन्य कई ऐसी योजनाएं शुरू की गई हैं, जो वंचित वर्ग को ऊपर उठाने के लिए हैं। आज वाराणसी में जिन लोक कल्याणकारी योजनाओं का उद्घाटन होगा, उन सभी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग को समान रूप से मिलने वाला है। हमारी सरकार का हर कदम, हर योजना पूज्य संत रविदास जी की भावनाओं के अनुरूप है। गुरु जी ने ऐसे भारत की कल्पना की थी, जहां बिना किसी भेदभाव के हर किसी का ख्याल रखा जाए। हमारी सरकार पिछले साढ़े चार साल से इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए लोक कल्याण के काम कर रही है। संत रविदास जी की जन्मस्थली करोड़ो लोगों के लिए आस्था और श्रद्धा का स्थल है। आपका सांसद होने के नाते मुझे भी यहां सेवा करने का मौका मिल रहा है। 2016 में मैंने इस प्रांगण को विकसित करने और इसके सौन्दर्यीकरण की बात कही थी, जिसकी मांग दशकों से हो रही थी, लेकिन किसी सरकार ने उसे पूरा नहीं किया था। आज इन सभी कार्यों का शुभारंभ हुआ है। जानकारी के मुताबिक, बाबतपुर एयरपोर्ट से वह सेना के हेलीकाप्टर से डीरेका हेलीपैड पहुंचे। डीरेका के डीजल से इलेक्ट्रिक में परिवर्तित पहले रेल इंजन को हरी झंडी दिखाकर रवाना की।

राजस्थान में अनियंत्रित ट्रक जुलूस में घुसा, 13 लोगों की मौत, 18 अन्य घायल

जयपुर। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के छोटी सादडी थाना क्षेत्र में सोमवार की रात एक अनियंत्रित ट्रक बिंदोली जुलूस में घुस गया। ट्रक की चपेट में आने से चार बच्चों सहित 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 18 अन्य घायल हो गये। छोटी सादडी के सर्किल अधिकारी विजय पाल सिंह संधू ने बताया कि निम्बाहेडा से बांसवाडा जा रहे राष्ट्रीय राज मार्ग 113 पर रामदेव मंदिर के पास एक तेज गति से आ रहा अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे जा रहे एक बिंदोली जुलूस में घुस गया। हादसे में जुलूस में शामिल चार बच्चो सहित नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 18 अन्य लोग घायल हो गये।

उन्होंने बताया कि घायलों को छोटी सादडी के राजकीय चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। गंभीर रूप से घायल 12 लोगों को उदयपुर रेफर किया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिये राजकीय चिकित्सालय की शवगृह में रखवाया गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान दौलतराम (60), भारत (30), शुभम (5), छोटू (5), दिलीप (11), अर्जुन (15), ईशु (19), रमेश (30) और करण (28) के रूप में हुई है। सिंह ने बताया कि सभी लोग गाडिया लोहर जाति के हैं और सड़क किनारे जा रहे बिंदोली जुलूस में शामिल थे। आशंका है कि अंधेरे की वजह से ट्रक चालक को बिंदोली जुलूस में चल रहे लोग दिखाई नहीं दिए और यह हादसा हो गया। वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

पुलवामा हमले पर बोले कैप्टन अमरिंदर सिंह, मैं एक सैनिक था और वह एक क्रिकेटर

नई दिल्ली । पुलवामा हमले पर पंजाब के कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू के बयान के बाद कांग्रेस पार्टी और पंजाब सरकार की हो रही किरकिरी के बीच पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपना रुख साफ करते हुए सोमवार को कहा कि सभी को अपने दिमाग से बोलने का अधिकार है और यह सिद्धू पर निर्भर करता है कि वह अपना रुख स्पष्ट करें। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपने मंत्रिमंडल सहयोगी नवजोत सिंह सिद्धू का एक तरह से बचाव करते हुए कहा कि उनके इरादे राष्ट विरोधी नहीं कहे जा सकते। मुख्यमंत्री ने राजनीतिक लाभ लेने के लिए बजट पेश करने से पहले सदन की कार्यवाही में विघ्न डालने के लिए शिरोमणि अकाली दल की तीखी आलोचना करते हुए कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि हरेक को अपने मन के विचार प्रकट करने का अधिकार है और पुलवामा हमले संबंधी अपने रूख को स्पष्ट करना सिद्धू पर निर्भर है। टीवी चैनलों के साथ अपनी बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्धू एक पूर्व क्रिकेटर हैं और वह (कैप्टन अमरिंदर) एक पूर्व सैनिक हैं और दोनों का चीजों संबंधी नजरिया अलग-अलग है। उन्होंने कहा कि मंत्री को लाजमी तौर पर महसूस करना चाहिए कि उन्होंने पाकिस्तान का दौरा करके ठीक नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्धू सेना की पेचीदगियों को नहीं समझते और संभावी तौर पर उन्होंने मित्रता के मनोरथ से प्रतिक्रिया की है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से मंत्री का इरादा राष्ट विरोधी नहीं है।

लोकसभा चुनाव: तमिलनाडु में DMK के नेतृत्व में 8 दलों का महागठबंधन, जानें कौन-कौन है

नई दिल्ली।

पिछले लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में 39 में से 37 सीटें जीतने वाली अन्नाद्रमुक की घेराबंदी के लिए द्रमुक के नेतृत्व में आठ दल एकजुट हो रहे हैं। पिछले चुनाव में द्रमुक और कांग्रेस को लोकसभा की एक भी सीट नहीं मिली थी। पर इस बार द्रमुक का दावा है कि उनका गठबंधन अन्नाद्रमुक का सफाया करने में सफल रहेगा और राज्य की ज्यादातर सीटों पर जीत हासिल करेगा। तमिलनाडु में द्रमुक के साथ कांग्रेस के अलावा तीन वामपंथी दल, मुस्लिम लीग, एमडीएमके और वीसीके चुनाव लड़ने पर सहमत हैं। पीएमके को साथ लेने की बात भी चल रही है। हालांकि अभी सहमति नहीं बन पाई है। वह ज्यादा सीटें मांग रही

है लेकिन इतने दलों के बीच उसे ज्यादा सीटें दे पाना संभव नहीं हो पा रहा है। द्रमुक के वरिष्ठ नेता तिरुचि शिवा ने 'हिन्दुस्तान' को विशेष बातचीत में बताया कि हमारा गठबंधन करीब-करीब तैयार है। सिर्फ सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत होनी है। इसके लिए द्रमुक ने दो समितियां बनाई हैं। एक घोषणापत्र बनाने पर कार्य कर रही है, जबकि दूसरी गठबंधन दलों से सीटों को लेकर कांग्रेस व अन्य दलों से बातचीत कर रही है। जल्दी सीटों का बंटवारा कर लिया जाएगा। तमिलनाडु में एकजुट विपक्ष केंद्र एवं राज्य सरकार की विफलताओं को चुनावी मुद्दा बना रहा है। शिवा कहते हैं कि दोनों सरकारों के कामकाज और विफलताओं को लेकर जनता में नाराजगी है। दूसरे, राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप, देश के विभिन्न राज्यों की विविधताओं को खत्म कर पूरे देश में एक नीति लागू करने के प्रयासों, राफेल सौदे में हुए भ्रष्टाचार आदि को प्रमुख मुद्दा बनाया जाएगा।

भाजपा-शिवसेना के बीच गठबंधन, शाह बोले- लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ लड़ेंगे

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जनभावना यह है कि दोनों दलों को एकसाथ आना चाहिए।

मुंबई।

पिछले कुछ समय के तनावपूर्ण संबंधों के बीच, सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल भाजपा और शिवसेना ने सोमवार को आगामी लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने की घोषणा की। महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से भाजपा 25 पर और शिवसेना 23 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। दोनों पार्टियां इस साल प्रस्तावित 288 सदस्यीय राज्य विधानसभा में बराबर बराबर सीटों पर उम्मीदवार उतारेंगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित

शाह और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जनभावना यह है कि दोनों दलों को एकसाथ आना चाहिए। शाह ने कहा कि भाजपा और शिवसेना गठबंधन महाराष्ट्र में 48 में से कम से कम 45 लोकसभा सीटें जीतेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और शिवसेना के करोड़ों कार्यकर्ता चाहते हैं कि दोनों दलों के बीच गठबंधन हो। शिवसेना भाजपा की सबसे पुरानी सहयोगी

> **फडणवीस ने कहा कि भाजपा और शिवसेना राष्ट्रीय विचारधारा वाली पार्टियां हैं जो वृहद लोकहित में एक साथ आए हैं। सैद्धांतिक रूप से दोनों दल हिन्दुत्ववादी हैं।**

है। ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर भाजपा और शिवसेना के बीच गठबंधन की साझी डोर है। उन्होंने कहा कि इसे जल्द से जल्द बनाया जाना चाहिए। फडणवीस ने कहा कि भाजपा और शिवसेना राष्ट्रीय विचारधारा वाली पार्टियां हैं जो वृहद लोकहित में एक साथ आए हैं। सैद्धांतिक रूप से दोनों दल हिन्दुत्ववादी हैं।

यूपी में मेडिकल मोबाइल यूनिट शुरू, अब एम्बुलेंस में मरीज देखेंगे डॉक्टर

लखनऊ । ग्रामीणों की सेहत संवारने के लिए प्रदेश सरकार ने अहम कदम उठाया है। घरों के पास डॉक्टर की सलाह व जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल मोबाइल यूनिट (एमएमयू) का शुभारंभ किया। गोमतीनगर के इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर एमएमयू का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी मामूली बीमारी के इलाज के लिए लोगों को लंबा सफर तय करना पड़ रहा है। मरीजों की दुश्वारियों को दूर करने के लिए मेडिकल मोबाइल यूनिट शुरू की जा रही है। इस एम्बुलेंस सेवा में मरीजों को एमबीबीएस डॉक्टर की सलाह मिलेगी। खून की जांच होगी। मरीजों को मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। छोटी चोट की ड्रेसिंग भी होगी। यह सुविधा पूरी तरह से मुफ्त होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज के अभाव में मर्ज बढ़ जाता है। समय पर सलाह व जांच से बीमारी जल्द पकड़ में आएगी। एम्बुलेंस के माध्यम से मरीजों को नई जिन्दगी मिल सकती है। मरीजों को मिल रही नई जिन्दगी- मुख्यमंत्री ने कहा कि 13 अप्रैल 2017 को 170 एटीएलएस का शुभारंभ किया गया था। इस सेवा से अब तक 78 हजार गंभीर मरीजों को नई जिन्दगी दी जा चुकी है। दिल्ली एम्स से लेकर पीजीआई चंडीगढ़ तक मरीजों को शिफ्ट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एटीएलएस के बेडे में 100 एम्बुलेंस और जोड़ी गई हैं। ताकि गंभीर मरीजों की जान बचाई जा सकेगा। पूर्व के वर्षों में गरीब मरीजों को वेंटिलेटर युक्त एम्बुलेंस हासिल करने के लिए 25 से 50 हजार रुपये तक खर्च करने पड़ रहे थे। भाजपा सरकार मरीजों को मुफ्त वेंटिलेटरयुक्त एम्बुलेंस उपलब्ध करा रही है। मोबाइल यूनिट में मरीजों की खून की जांच होगी। इसमें मौजूद डॉक्टर मरीजों को सलाह देंगे। मुफ्त दवाएं भी मुहैया कराएंगे। पहले चरण के तहत 23 जिलों में एमएमयू की शुरुआत की गई है। फरवरी के आखिरी तक 53 जिलों में 170 एमएमयू चालू हो जाएंगी। वहीं गंभीर मरीजों की जान बचाने के लिए एडवांस ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (एटीएलएस) के बेड़े को विस्तार दिया गया।

पुलवामा से भी बड़ा गुजरात में हो सकता है आतंकी हमला, IB ने जारी किया अलर्ट

अहमदाबाद। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में पिछले सप्ताह हुए हमले की पृष्ठभूमि में खुफिया विभाग ने गुजरात में भी आतंकवादी हमले की चेतावनी दी है। इसके मद्देनजर राज्य सरकार ने सोमवार को सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गांधीनगर में आयोजित एक बैठक में राज्य पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने नर्मदा जिले में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, सरदार सरोवर बांध और सोमनाथ मंदिर सहित अन्य संवेदनशील जगहों की सुरक्षा के संबंध में शीर्ष अधिकारियों के विचार जाने। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि राज्य खुफिया विभाग की ओर से संभावित आतंकवादी हमले की चेतावनी मिलने के बाद गुजरात पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। विभाग की ओर से यह चेतावनी 14 फरवरी के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हुए हमले के बाद जारी की गई है। हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यह एक सामान्य चेतावनी है जिसमें महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा कड़ी करने को कहा गया है। राज्य के मुख्य सचिव जे. एन. सिंह ने बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री ने पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की। सिंह के अलावा बैठक में राज्य के पुलिस प्रमुख शिवानंद झा, गृह सचिव ए. एम. तिवारी, राज्य के गृहमंत्री प्रदीपसिंह जडेजा सहित पुलिस तथा खुफिया विभाग के विभिन्न अधिकारी शामिल थे।

कोलकाता के पुलिस आयुक्त ने SC में कहा, 5 दिनों में 40 घंटों तक हुई पूछताछ

नई दिल्ली।

कोलकाता के पुलिस आयुक्त राजीव कुमार ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि सारदा चिट फंड घोटाले के सिलसिले में सीबीआई ने उनसे पांच दिनों में 40 घंटे तक पूछताछ की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह बहुत ही रहस्यमय था कि एजेंसी ने उनसे पूछताछ का बड़ा फैसला तीन फरवरी को क्यों लिया जो तत्कालीन अंतरिम सीबीआई निदेशक एम नागेश्वर राव का अंतिम दिन था। न्यायालय ने पांच फरवरी को चिट फंड घोटाले के संबंध में कुमार को हर समय जांच एजेंसी के साथ

ईमानदारी से सहयोग करने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने आदेश दिया था कि एजेंसी उनकी गिरफ्तारी सहित कोई भी कठोर कदम नहीं उठाएगी। यह आदेश तीन फरवरी की घटना के दो दिन बाद आया था जिसमें सीबीआई ने आरोप लगाया था कि उसके अधिकारी कुमार से पूछताछ करने गए थे और उन्हें पुलिस हिरासत में बंद कर दिया गया। एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया था कि राज्य पुलिस ने उसके संयुक्त निदेशक विकास श्रीवास्तव के आवास को घेर लिया था। कुमार ने अपने हलफनामे में दावा किया कि उन्होंने सीबीआई के सभी सवालों के संतोषप्रद जवाब दिए। सीबीआई ने मेघालय में शिलांग के तटस्थ स्थान पर पांच दिनों में 40 घंटे तक पूछताछ की। उन्होंने कहा कि वह आठ फरवरी की शाम शिलांग पहुंचे और नौ फरवरी को सुबह 11 बजे जांच में शामिल हुए।

IL&FS संकट की जांच कराने के लिए ममता ने मोदी को लिखी चिट्ठी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में संकट के कारण देश की प्रमुख क्रेडिट रेटिंग संस्थानों के साथ-साथ जीवन बीमा निगम और भारतीय स्टेट बैंक की भूमिका पर सवाल उठाता है।

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में ऋण संकट के कारण उत्पन्न आर्थिक विसंगतियां एवं आम लोगों की बचत में संभावित गड़बड़ी की एक उच्च स्तरीय जांच कराने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने लिखा है कि इस

संकट ने निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के 'लाखों कर्मचारियों' को जोखिम में डाल दिया है, जिन्होंने अपनी गाढ़ी कमाई इस कंपनी में

> **मुख्यमंत्री ने लिखा कि केंद्र सरकार के तहत बेरोकटोक जारी इस गंभीर वित्तीय अनियमितताओं ने लोगों की आर्थिक सुरक्षा को गंभीर खतरे में डाल दिया है।**

लगायी है। मोदी को लिखे अपने पत्र में ममता ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएल एंड एफएस) में संकट के कारण देश की प्रमुख क्रेडिट रेटिंग संस्थानों के साथ-साथ जीवन बीमा निगम और भारतीय स्टेट बैंक की भूमिका पर सवाल उठाता है। जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और एवं भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई) दोनों बुनियादी ढांचे के इस समूह में हितधारक हैं। मुख्यमंत्री ने लिखा कि केंद्र सरकार के तहत बेरोकटोक जारी इस गंभीर वित्तीय अनियमितताओं ने लोगों की आर्थिक सुरक्षा को गंभीर खतरे में डाल दिया है। नोटबंदी और जल्दबाजी में तथा बिना योजना के लागू की गयी जीएसटी के प्रदर्शन ने आम लोगों की आजीविका छीन ली। अब आईएल एंड एफएस के वित्तीय संकट से उनकी बचत जा रही है। उन्होंने लिखा है, 'इसलिए, मैं आपसे आग्रह करती हूं कि आईएल एंड एफएस की विफलता के कारण आर्थिक विसंगतियां एवं लोगों के जीवन की गाढ़ी कमाई के संभावित संभावित दुरुपयोग की उच्च-स्तरीय एवं निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच शुरू की जाए।'

संपादकीय

मास्टरमाइंड का मारा जाना

इसे पुलवामा की आतंकी वारदात का प्रतिशोध भी कहा जा रहा है। हालांकि खबर अभी सिर्फ इतनी है कि 14 फरवरी की आतंकी वारदात के षड्यंत्र में प्रमुख भूमिका निभाने वाले पाकिस्तानी आतंकवादी गाजी राशिद उर्फ कामरान को सुरक्षा बलों ने मार गिराया है। उसके साथ एक स्थानीय आतंकी हिलाल भी मारा गया है। इसके साथ यह भी दावा किया गया है कि षड्यंत्र में शामिल एक और आतंकवादी की पहचान कर ली गई है और जल्द ही वह भी निशाने पर आ सकता है। सोमवार को हुई इस मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के चार जवान शहीद हो गए। लेकिन क्या इस मुठभेड़ को 14 फरवरी की वारदात का प्रतिशोध माना जा सकता है? इन दिनों टेलीविजन चैनलों और सोशल मीडिया पर प्रतिशोध शब्द कुछ ज्यादा ही चर्चा में है, शायद इसीलिए सुरक्षा बलों की हर छोटी-बड़ी कार्रवाई में इसे देखा जा रहा है। हालांकि अभी जो हुआ है, वह एक नियमित तरीका है, जिसे सुरक्षा बल पहले भी करते रहे हैं। किसी भी आतंकी वारदात के बाद उसके मास्टरमाइंड का पता लगाना, उसे पकड़ना या मार गिराना ऐसा काम है, जिसे सुरक्षा बल काफी मुस्तैदी से करते रहे हैं। सोमवार को सुरक्षा बलों ने यही किया। उन्होंने इस काम को चार दिन में ही अंजाम दे दिया, इसके लिए हमें सुरक्षा बलों की तारीफ तो करनी ही चाहिए।. केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को जिस तरह कार बम विस्फोट में शहीद किया गया, उसका माकूल जवाब पाकिस्तान को दिया जाए, उसे सबक सिखाया जाए, इस पर देश में एक आम सहमति है। देश के सभी राजनीतिक दल भी इससे सहमत दिखाई दे रहे हैं। हालांकि इसके लिए प्रतिशोध शब्द कितना सही और कितना जरूरी है, यहां इस पर चर्चा करने का कोई अर्थ नहीं है। पुलवामा की आतंकी वारदात करने वालों को ऐसा सबक सिखाया जाना जरूरी है, जिससे भविष्य में वे फिर ऐसी जुर्रत न कर सकें। जाहिर है, जब भी सबक सिखाने का ऐसा प्रयास होगा, वह सोमवार की मुठभेड़ से कहीं बड़ा होगा। ऐसा प्रयास कब होगा? सैनिक होगा, या राजनयिक, या किसी किस्म की सर्जिकल स्ट्राइक? यह ऐसा मसला है, जिसे हमें पूरी तरह सरकार, सेना और विशेषज्ञों के विवेक पर छोड़ना होगा। इसका अर्थ यह भी नहीं कि सोमवार की कार्रवाई कोई छोटी सफलता है, लेकिन सबक सिखाने का काम जैसे भी कभी होगा, इससे कहीं बड़े पैमाने पर होगा। सोमवार को जिन आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया, वे मूल रूप से वारदात को स्थानीय स्तर पर अंजाम देने वाले आतंकवादी या मास्टरमाइंड थे। यह पूरी तरह स्पष्ट है कि इसके असल षड्यंत्रकारी सीमा के उस पार बैठे जैश-ए-मुहम्मद के सरगना मसूद अजहर और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई हैं। उनके इस गुनाह में पाकिस्तान की सरकार और फौज भी बराबरी से शामिल है। पाकिस्तान सरकार आतंकवाद का इस्तेमाल विदेश नीति के रूप में करती है और वहां की फौज एक हथियार के रूप में। स्थानीय स्तर पर आतंकवादियों की लगातार धर-पकड़ या उन्हें मार गिराया जाना बहुत जरूरी है, लेकिन यह भी जरूरी है कि उन केंद्रों को खत्म किया जाए, जहां से आतंक का निर्यात लगातार जारी रहता है। सीमा पार मार करने की यह चुनौती काफी बड़ी है और हम यह मानते हैं कि हमारी सरकार व सेनाएं इसमें पूरी तरह से सक्षम हैं। वे इसकी जरूरत से भी पूरी तरह वाकिफ हैं।.

विनिवेश लक्ष्य

उदारीकरण के समय से ही विनिवेश हर सरकार के लिए महत्त्वपूर्ण रहा है। हर बजट में सरकारें विनिवेश का एक लक्ष्य निर्धारित करती हैं। इससे प्राप्त धन सरकार के राजकोषीय घाटा कम रखने का आधार बनता है। वर्तमान सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश से अब तक 53,558 करोड़ रुपये जुटाए हैं। चालू वित्त वर्ष यानी 2018-19 में विनिवेश का बजटीय लक्ष्य 80,000 करोड़ रु पये रखा गया है। इस लक्ष्य में करीब 26 हजार 500 करोड़ रु पये कम है। पिछले सप्ताह सरकार ने भारत-22 ईटीएफ से 10,000 करोड़ रुपये जुटाए थे। ईटीएफ यानी एक्सचेंज ट्रेडेड फंड वास्तव में इंडेक्स फंड होते हैं, जो कि स्टॉक एक्सचेंज में शेयरों की तरह ही ख़रीदे और बेचे जाते हैं। विश्व भर में ईटीएफ छोटे निवेशकों और संस्थागत निवेशकों में बहुत ही लोकप्रिय निवेश का साधन है। इसकी लोकप्रियता और कम जोखिम के कारण सरकार को इतनी राशि मिल गई है। आगे इसमें और कितनी राशि आती है, देखना होगा। सरकार ने एक्सिस बैंक में एसयूयूटीआई की हिस्सेदारी बेचकर 5,379 करोड़ रुपये प्राप्त किए हैं। इसके अलावा, इंडियन ऑयल कारपोरेशन की शेयर पुनर्खरीद से 2,647 करोड़ रुपये आए हैं। वहीं, भेल, एनएचपीसी और कोचीन शिपयार्ड में हिस्सेदारी बिक्री से सरकार को क्रमश- 992 करोड़ रुपये, 398 करोड़ रुपये और 137 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। एनएलसी की शेयर पुनर्खरीद से सरकार को 990 करोड़ रुपये जबकि नाल्को और केआईओसीएल से क्रमश- 260 करोड़ रुपये और 205 करोड़ रु पये प्राप्त हुए। अब वित्त वर्ष पूरा होने में करीब डेढ़ महीने का समय बचा हुआ है। इसमें चुनाव को देखते हुए आने वाले समय वित्त मंत्रालय का फोकस कम हो सकता है। हेलिकाप्टर सेवा प्रदाता कंपनी पवन हंस में सरकार और ओएनजीसी की हिस्सेदारी है। इसके लिए बोली लगाने वाली कंपनियों के साथ जल्द अंतिम शेयर खरीद करार साझा किया जाएगा। अगर इस बार का लक्ष्य पूरा होगा तभी अगले वर्ष के 90 हजार करोड़ लक्ष्य को पाने की उम्मीद की जा सकती है। तो देखते हैं। किंतु प्रश्न है कि इस तरह सरकारी संस्थानों का विनिवेश क्या दूरगामी दृष्टि से देख के लिए उपयुक्त नीति है? उदारवाद के समर्थक कहेंगे, हां। ऐसा नहीं होता कि विनिवेश के साथ सरकार की जिम्मेवारी खत्म हो जाती है।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

तीन टके के चैनल

टीवी चैनलवालों में झगड़ा हो रहा था। एक दूसरेवाले से बोला-अबे तेरा चैनल दो टके का। दूसरे वाले ने आपत्ति जतायी-टेलीकॉम अथारिटी आफ इंडिया उर्फ ट्राई के नये नियमों के मुताबिक मेरा चैनल एक रु पये महीने का आता है। एक महीने में तीस दिन लगा, तो रोज तीन पैसे का पड़ा मेरा चैनल। तीन टके रोज का है मेरा चैनल, तेरे हिम्मत कैसे हुई दो टके का बताने की।बात में दम है जी तीन टके के चैनल को कोई दो टके का बता जाये, तो आफत है। गलतबयानी है। एक चैनल साठ पैसे का मिल रहा है, पूरे महीने के लिए। दो पैसे रोज का मिल रहा है। दो पैसे में इस वक्त कुछ न आ रहा है, चैनल आ रहे हैं। टीवी दर्शक का स्वर्ण काल है। पुराने वक्त में एक ही चैनल होता था-दूरदर्शन। भाई लोग कृषि दर्शन कार्यक्रम भी पूरी दिलचस्पी से देखते थे, मतलब ऐसा नहीं है कि चाहते तो कुछ और देख सकते थे। दूरदर्शन ही था देखने को, सुबह देखो या शाम देखो। कृषि दर्शन पर आज देखो गन्ने को घुंटुंडा कीड़े से बचाने की विधियां, कल देखो टमाटर को कुरु लिया कीड़े से कैसे बचायें। अब अमिताभ बच्चन रिक्वेस्ट कर रहे हैं। और भी न जाने टीवी सीरियलों को कई भाभियां, भईयाजी, नागिनें, चुड़ैलें निवेदन कर रही हैं कि प्लीज ये वाला ले लो, चैनल, वो वाला ले लो, चैनल। खबर चैनल पर खबर मुफ्त ले लो, पर डायन वाले चैनल मुफ्त न मिल रहे। खबर फ्री है, डायन की कीमत है। एक खबरची यह देखकर उदास हो गया। मैंने दिलासा दी-ऊपरवाला सब देख रहा है। तेरी भी वैल्यू होगी, अगले जन्म में तू भी बतौर डायन ही जन्म लेगा और सिर्फ डायन नहीं, स्टार डायन। कभी कुरु लिया कीड़े स्टार होते थे अब डायनें सुपर स्टार हैं। देख लो, देख लो, देख ही लो। वो गुहार लगा रहे हैं। ये गुहार लगा रहे हैं। एक चैनल आठ रु पये महीने का है, इसमें दुनिया भर के खास-खास टूरिस्ट प्लेस दिखाये जाते हैं। आठ रु पये में रोम से लेकर हंपी तक सब कुछ दिखा देता है यह चैनल। काश कोई टेकनोलोजी ऐसी आ जाये, जिसमें टीवी की ऐतिहासिक इमारतें ऐसी दिखें कि जिनके साथ सेल्फी लो, तो लगे कि बंदा सचमुच में ही वह जगह घूमकर आया है। फिर यह चैनल आठ क्या अस्सी रु पये महीना ले सकता है, बहुत सेल्फी प्रेमी खुशी-खुशी देंगे। नहीं क्या।

गुस्से व प्रतिक्रिया में अलग रहा दक्षिण

एस श्रीनिवासन

जम्मू-कश्मीर में पुलवामा हमले के बाद पूरे देश ने एक सुर से इस कायराना हरकत की निंदा की और इस बर्बर कृत्य में शामिल तमाम लोगों के खिलाफ फौरन कार्रवाई की मांग की। देश भर में लोग शोक, पीड़ा और आक्रोश से उबल पड़े। ऐसी अनेक खबरें आईं कि सीआरपीएफ के कई जवान जिस वक्त शक्तिशाली आईईडी विस्फोट के शिकार बने, उस समय वे अपने किसी परिजन से मोबाइल पर बातें कर रहे थे। जब पूरा मुल्क नुकसान और पीड़ा की गहरी भावना से गुजर रहा था, तब कई भड़काऊ बयान भी देखने को मिल रहे थे-कइयों को तो फौरन बदला चाहिए था। कुछ लोगों ने अपना आक्रोश जताने के लिए सोशल मीडिया को चुना, तो कई सारे लोगों ने कैंडल मार्च में भाग लिया और शहीदों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। लेकिन कुल मिलाकर, इस दुखद वारदात पर दक्षिण भारत की प्रतिक्रियाएं उत्तर भारत, खासकर दिल्ली-एनसीआर से बिल्कुल अलग रहीं। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल ने इस पर काफी दर्द भरी प्रतिक्रियाएं दीं। इन तमाम राज्यों में जिस किसी राज्य का कोई सीआरपीएफ जवान शहीद हुआ, वहां के लोगों ने भारी संख्या में कतारों में लगकर अपने सपूत को श्रद्धांजलि दी। वहां उग्र भावनाओं का प्रदर्शन नहीं दिखा।

> "पुलवामा की आतंकवादी वारदात पर दक्षिण के लोगों की प्रतिक्रिया भी शेष भारत जैसी ही रही, लेकिन उसमें उत्तर भारत वाली उग्रता नहीं थी।"

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से ऐसी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। कर्नाटक में चंद छिट-पुट घटनाएं हुई हैं। बेंगलुरु में दो छात्रों को सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने के लिए हिरासत में लिया गया। अलबत्ता, इसी शहर के चिकपेट इलाके में लगभग 15,000 दुकानें बंद रहीं और बड़ी संख्या में लोग नारे लगाते हुए और फौरन कार्रवाई की मांग करते सड़कों पर निकले। खबरों के मुताबिक, रैली में शामिल ज्यादातर लोग कारोबारी समुदाय के थे, जो देश भर से आकर वहां बसे हुए हैं और अब इस राज्य के नागरिक हैं।

तमिलनाडु में भी इस घटना को लेकर गुस्सा है, लेकिन यह आक्रोश सड़कों पर हुजूम की शक्ल में नहीं दिखा। वहां के लोगों की मांग थी कि सरकार सख्त कार्रवाई करे। उनमें एक प्रकार की निराशा की भावना भी थी कि आखिर पड़ोसी देश पोषित आतंकी कैसे एक के बाद दूसरी वारदात को अंजाम देने में सफल हो जाते हैं? कुछ इसी तरह की प्रतिक्रियाएं केरल में भी देखने को मिलीं। वहां भी लोग गम और गुस्से में थे, लेकिन उन्होंने अपने क्रोध का इस्तेमाल किसी समूह या समुदाय पर हमला करने के लिए नहीं किया। इन सभी राज्यों में कश्मीर के लोग रहते हैं, लेकिन उनको निशाना बनाती कोई घटना नहीं हुई।

दरअसल, उत्तर और दक्षिण भारत की प्रतिक्रियाओं में इस फर्क के पीछे ऐतिहासिक वजहें हैं। एक वजह तो यह हो सकती है कि पाकिस्तान के खिलाफ भावनाओं का जैसा ज्वार उत्तर भारत में उठता है, वैसा दक्षिण में नहीं उठता। इसका कारण यह है कि ये राज्य घटनास्थल से काफी दूरी पर हैं। फिर दक्षिण भारत हिंसक आतंकी वारदातों का भुक्तभोगी नहीं रहा या फिर उसने देश के हिंसक बंटवारे और उसके बाद की त्रासदी नहीं भोगी।

कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद फौरन दोनों तरफ आक्रोश पैदा कर देता है या फिर श्रीलंकाई तमिलों का मसला तमिलनाडु में भावनाओं का ज्वार पैदा कर देता है। दक्षिण में ये मसले ज्यादा भावोत्तेजक हैं। इसका यह कतई मतलब नहीं कि कश्मीर की घटनाएं उन्हें नहीं छूतीं। निस्संदेह, ये उन्हें भी मर्माहत करती हैं और शेष भारत की तरह उनके भीतर भी देशप्रेम हिलोरें मारता है, लेकिन उनका गुस्सा नारों में तब्दील नहीं हो पाता। फिर वहां कई और मुद्दे हैं। मसलन, तमिलनाडु में संसदीय चुनावों से रजनीकांत का किनारा काटना एक बड़ा धमाका है।

देश के बाकी हिस्सों की तरह दक्षिणी राज्यों में भी मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन उन्होंने इस अशांत वक्त में अपना शिकार करने की कोशिश नहीं की। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में टीवी मीडिया ने पुलवामा मामले की व्यापक कवरेज की, लेकिन उन्होंने जन-भावनाओं से नहीं खेला और न ही उत्तेजना पैदा करने वाली टीवी बहसें आयोजित कीं। बेंगलुरु के एक भाषायी चैनल से ऐसा करने की कोशिश की, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। प्रिंट मीडिया ने भी घटना के बारे में तफसील से छापा, मगर वे भी सनसनीखेज भावुकता से दूर रहे। उनकी संपादकीय टिप्पणियां स्थापित लाइन पर, मगर काफी संयत थीं।

दक्षिण की राजनीतिक पार्टियों ने जोरदार तरीके से पुलवामा हमले की निंदा की और देश के सुर में सुर मिलाते हुए पाकिस्तान पर हमला बोला और प्रभावी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने सरकार को अपना समर्थन दिया और शहीदों के परिजनों के दुख में साथ होने का भाव व्यक्त किया। लेकिन उत्तर में जिस तरह का अति-राष्ट्रवाद दिखा, वह दक्षिण में नहीं था।

दक्षिण भारत का सामाजिक परिवेश ही कुछ ऐसा है कि उसमें भेदभाव की बहुत गुंजाइश नहीं रह जाती। फिर इन राज्यों की पुलिस और स्थानीय प्रशासन भी काफी मुस्तैद है और वह समय पर अपनी कार्रवाई करता है, जिससे किसी भी उग्र राजनीतिक या वैचारिक संगठन के इरादे पूरे नहीं हो पाते। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया की काफी गहरी पड़ताल हो रही है और किसी भी अतिवादी पोस्ट पर साइबर क्राइम विभाग फौरन कार्रवाई कर रहा है।

शेष भारत की तरह दक्षिणपंथी राजनीति के उदय और अति-राष्ट्रवादी बयानों ने दक्षिण को भी प्रभावित किया है। शहरी उच्च वर्ग और महानगरीय आबादी का एक हिस्सा इन अति-राष्ट्रवादी बयानों का समर्थन करता है और भारत की पुरानी समस्याओं के निदान के रूप में देखता है, लेकिन व्यापक रूप से दक्षिणी राज्य अब भी आम तौर पर अतिवादी नजरिये से परहेज बरतते हैं। चूंकि लोकसभा चुनाव करीब हैं, इसलिए वे चुनावी आईने से भी इस मसले का हासिल देख रहे हैं। कुछ राजनीतिक विचारधाराओं को इसमें मौका दिखता है, मगर लोगों का नजरिया इससे अलग है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

बिजली के स्रोत

सौर ऊर्जा बेहतर भविष्य का विकल्प

भरत झुनझुनवाला

बिजली के चार प्रमुख स्रोत हैं। पहला स्रोत थर्मल यानी कोयले अथवा ईंधन तेल से उत्पादित बिजली का है। दूसरा स्रोत सौर ऊर्जा का है। तीसरा स्रोत पनबिजली यानी जल विद्युत अथवा हाइड्रोपॉवर का है और चौथा परमाणु ऊर्जा का है। इन चार स्रोतों में वर्तमान में सौर ऊर्जा सबसे सस्ती पड़ रही है। जानकारों के अनुसार नई सोलर बिजली का उत्पादन खर्च लगभग चार रुपये प्रति यूनिट है जबकि नई थर्मल बिजली की उत्पादन लागत 5 रुपये प्रति यूनिट आती है। जल विद्युत और परमाणु ऊर्जा की उत्पादन लागत इनसे बहुत अधिक लगभग 7 से 11 रुपया प्रति यूनिट आती है। अपने देश में अब तक थर्मल एवं हाइड्रोपॉवर को प्रोत्साहन दिया जा रहा था चूंकि हमारे पास कोयले के भंडार एवं नदियां पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। अपनी बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमें अपने संसाधनों का सर्वप्रथम उपयोग करना था।

सौर ऊर्जा का उत्पादन दाम आज से पांच वर्ष पूर्व लगभग 10 रुपया प्रति यूनिट पड़ता था। बीते समय में सोलर पैनल बनाने की तकनीकों में इजाफा हुआ है और इसके कारण आज सौर ऊर्जा का उत्पादन मूल्य मात्र 4 रुपया प्रति यूनिट हो गया है। सौर ऊर्जा के इस गिरते दाम से थर्मल एवं हाइड्रोपॉवर एक उत्तम विकल्प मिल गया है चूंकि अपने देश में सूर्य की रोशनी भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। राजस्थान के रेगिस्तान, गुजरात के कच्छ क्षेत्र और कर्नाटक के पठार में विशाल क्षेत्रफल पर सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा सकता है।

थर्मल बिजली में पहली समस्या सौर ऊर्जा की तुलना में अधिक दाम है और दूसरी समस्या यह है कि यह ग्लोबल वार्मिंग यानी धरती के तापमान को बढ़ावा देता है। पूर्व में सूर्य की ऊर्जा को वृक्षों ने ग्रहण कर अपने में रख लिया था। उसी पूर्व की संगृहीत ऊर्जा को आज हम कोयले के रूप में निकालकर उपयोग करते हैं। कोयले को जलाने से जो कार्बनडाईआक्साइड उत्पन्न होती है वह धरती के तापमान को बढ़ा रही है। फलस्वरूप रोग और प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं। हमारे लिए हाइड्रोपॉवर और परमाणु ऊर्जा तो पहले ही लाभप्रद नहीं थी क्योंकि इनके दाम अधिक थे।

सौर ऊर्जा के विस्तार में मुख्य समस्या यह है कि इसका उत्पादन दिन के समय होता है जब सूर्य की रोशनी धरती पर पहुंचती है। इसके सामने बिजली की जरूरत सुबह एवं शाम अधिक होती है। उत्पादन और खपत के समय में गणित नहीं बैठता है। थर्मल पॉवर इससे कुछ बेहतर है। थर्मल पवार प्लांट में बिजली का उत्पादन 24 घंटे लगातार चलता है। अतः दिन के साथ-साथ सुबह और शाम के समय भी थर्मल बिजली का उत्पादन होता है। सौर ऊर्जा को बढ़ाना हमारे लिए तभी संभव है जब हम दिन में बनी बिजली का संग्रहण करके इसका उपयोग सुबह और शाम कर सकें। बीते समय में इस प्रकार की दो प्रमुख तकनीकें उपलब्ध हो गई हैं। दिन के समय सौर ऊर्जा से बड़ी-बड़ी टंकियों में तेल को उच्च तापमान पर गर्म कर लिया जाता है और सुबह और शाम इस तेल को बॉयलरों में डाल कर इससे भाप बनाई जाती है जिससे टरबाइन चलायी जाती है। ऐसा करने से हम दिन की सौर ऊर्जा को सुबह और शाम की बिजली में परिवर्तित कर सकते हैं। दूसरा उपाय पम्प स्टोरेज योजना का है। इस योजना में दिन के समय जब सौर बिजली उत्पन्न होती है तब नीचे के तालाब से पानी को उठाकर ऊपर के तालाब में डाल दिया जाता है। इसके बाद जब सुबह और शाम बिजली की जरूरत होती है तब ऊपर के तालाब से पानी को छोड़कर टरबाइन में डालते हुए पुनः नीचे के तालाब में लाया जाता है। हमारे ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के प्रमुख ने अनुमान लगाया है कि पम्प स्टोरेज योजना के माध्यम से दिन की बिजली को सुबह-शाम की बिजली में बदलने का खर्च लगभग 50 पैसा प्रति यूनिट आता है। अतः यदि हम चार रुपये में सौर ऊर्जा का उत्पादन करते हैं और 50 पैसे में इसे सुबह और शाम की बिजली में परिवर्तित कर दें तो हमें सुबह और शाम की बिजली 4.50 रुपये प्रति यूनिट में उपलब्ध हो जाती है जो कि अपने देश के लिए सफल है।

बीते समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंटरनेशनल सोलर अलायन्स नाम के गठबंधन की आधारशिला रखी थी। सरकार को चाहिए कि सौर ऊर्जा के विकास के लिए तमाम देशों को धन उपलब्ध कराने के लिए इंटरनेशनल सोलर बैंक नाम की संस्था बनाएं जो कि देशों को सौर बिजली बनाने के लिए मदद करे।

इस संदर्भ में जल विद्युत का भविष्य डांवांडोल है। जिस प्रकार थर्मल बिजली से ग्लोबल वार्मिंग होती है, उसी प्रकार जलविद्युत के तमाम पर्यावरणीय दुष्प्रभाव होते हैं जैसे मछलियों का आवागमन अवरुद्ध होना, नदी की गाद का मैदान में न पहुंचना, नदी के सौन्दर्य की हानि होना, पानी की गुणवत्ता में गिरावट आना इत्यादि। इसलिए हमें जलविद्युत को विशेषकर त्याग देना चाहिए। यह महंगी भी है और पर्यावरण के लिए हानिप्रद भी।

सामयिक

जवाब दिया जा रहा है

डॉ नीलम महेन्द्रा

यह सेना की बहुत बड़ी सफलता है कि उसने पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड अब्दुल रशीद गाज़ी को आखिरकार मार गिराया हालांकि इस ऑपरेशन में एक मेजर समेत हमारे चार जांबाज सिपाही वीरगति को प्राप्त हुए। देश इस समय बेहद कठिन दौर से गुज़र रहा है क्योंकि हमारे सैनिकों की शहादत का सिलसिला लगातार जारी है। अभी भारत अपने 40 वीर सपूतों को धधकते दिल और नाम आंखों से अंतिम विदाई दे भी नहीं पाया था, राष्ट्र अपने भीतर के घुटन भरे आक्रोश से उबर भी नहीं पाया था, कि 18 फरवरी की सुबह फिर हमारे पांच जवानों की शहादत की एक और हिला देने वाली खबर आई। पुलवामा की इस हृदयविदारक घटना ने इतना तो साबित कर ही दिया कि बिना स्थानीय मदद के ऐसी किसी वारदात को अंजाम देना संभव नहीं था। कहने की आवश्यकता नहीं कि इस वीभत्सता में कश्मीरियत, जम्हूरियत और इंसानियत ने कब का दम तोड़ दिया है। घाटी में आतंक का ये सिलसिला जो 1987 से शुरू हुआ था वह अब निर्णायक दौर में है। देश के प्रधानमंत्री ने नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि जवानों के खून की एक-एक बूंद और हर आंख से गिरने वाले एक-एक आंसू का ऐसा बदला लिया जायेगा कि विश्व इस न्यू इंडिया को महसूस करेगा। स्पष्ट है कि वह इस बार आरपार की लड़ाई के पक्ष में है और यह सही भी है; क्योंकि देश में हुए आतंकवादी हमले के बाद इस समय जो देश का माहौल बना हुआ है, वह शायद इससे पहले कभी देखने को नहीं मिला। आज देश की हर आंख नम है, हर दिल शहीदों के परिवार के दर्द को समझ रहा है।ये वाकई में एक नया भारत है जिसमें आज हर दिल में देशभक्ति की ज्वाला धधक रही है। यह एक अघोषित युद्ध का वह दौर है जिसमें हर व्यक्ति देश हित में अपना योगदान देने के लिए बेचैन है। कोई शहीदों के बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी ले रहा है तो कोई अपनी एक महीने की तनख्वाह दे रहा है। स्थिति यह है कि ''भारत के वीर' कोष में मात्र दो दिन में 6 करोड़ से ज्यादा की राशि जमा हो गई। आज देश की मनःस्थिति का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि देश का बच्चा-बच्चा और महिलाएं तक कह रही हैं कि हमें सीमा पर जाने दो। हम पाकिस्तान से बदला लेने को बेताब हैं। पूरा देश अब पाकिस्तान से बातचीत नहीं बदला चाहता है। हालात यह हैं कि पाक से बातचीत करने जैसा बयान देने पर नवजोत सिंह सिद्धू को एक टीवी शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है तो कहीं पाकिस्तान से हमदर्दी जताने वाले को नौकरी से बाहर कर दिया जाता है। जिस देश में कुछ समय पहले तक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर देश विरोधी नारे लगाने वालों के पक्ष में कई राजनैतिक दलों के नेता और मानववादी संगठन इकट्ठा हो जाते थे, आज वह देश भारत माता की जय और वंदे मातरम जैसे नारों से गूंज रहा है। यह नए भारत की गूंज ही है कि अपने भाषणों में हरदम आग उगलने वाले ओवैसी जैसे नेता आतंकवाद के खिलाफ बोलते हैं। यह नए भारत की ताकत ही है कि कश्मीर के अलगाववादी नेताओं को मिलने वाली सुरक्षा और सुविधाओं के छीने जाने पर फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती जैसे घाटी के नेता शांत हैं। और नए भारत की यह ताकत सिर्फ देश में ही नहीं, दुनिया में भी दिखाई दी जब आतंकवाद की वीभत्स घटना पर विश्व के 48 देशों ने भारत को समर्थन दिया। अमेरिका से लेकर रूस ने कहा कि भारत को आत्मरक्षा का हक है और वे भारत के साथ हैं। और यह नए भारत की शक्ति ही है कि आज पाकिस्तान बैकफुट पर है। आज वह अपने परमाणु हथियार सम्पन्न होने के दम पर युद्ध की धमकी नहीं दे रहा बल्कि इस हमले में अपना हाथ न होने की सफाई दे रहा है। यह नए भारत का दम है कि यह हरकत उसपर उल्टी पड़ गई। दरअसल, अमेरिका की ट्रम्प सरकार द्वारा अफगानिस्तान से अपनी फौज वापस बुलाने के फैसले से आतंकी संगठनों और पाक दोनों के हौसले फिर से बुलंद होने लगे थे। इस समय को उन्होंने इस क्षेत्र में अपनी ताकत दिखाने के मौके के रूप में देखा; क्योंकि सेना की मुस्तैदी और ऑपरेशन ऑल आउट के चलते वे काफी समय से देश या घाटी में कोई वारदात नहीं कर पा रहे थे जिससे उन्हें अपने अस्तित्व पर ही खतरा दिखने लगा था और वह जबरदस्त दबाव में थे। उन्होंने सोचा था कि भारत में चुनाव से पहले ''कुछ बड़ा' करके वह भारत पर दबाव बनाने में कामयाब हो जाएंगे जबकि हुआ उल्टा। आज आर्थिक रूप से जर्जर पाकिस्तान सामाजिक रूप से भी पूरी दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है।

विश्व कप में पाकिस्तान से नहीं खेले भारत : हरभजन

नयी दिल्ली। अनुभवी आफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि भारत को पुलवामा आतंकवादी हमले के मद्देनजर आगामी विश्व कप में पाकिस्तान से नहीं खेलना चाहिये। हरभजन ने कहा कि भारत अगर 16 जून को मैनचेस्टर में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच गंवा भी देता है तो भी इतना मजबूत है कि विश्व कप जीत सकता है। उन्होंने 'आज तक ' चैनल से कहा भारत को विश्व कप में पाकिस्तान से नहीं खेलना चाहिये। भारतीय टीम इतनी मजबूत है कि पाकिस्तान से खेले बिना भी विश्व कप जीत सकती है। हरभजन ने कहा यह कठिन समय है। हमला हुआ है, यह अविश्वसनीय है और बहुत गलत है। सरकार जरूर कड़ी कार्रवाई करेगी। जहां तक क्रिकेट का सवाल है तो मुझे नहीं लगता कि हमें उनके साथ कोई भी संबंध रखना चाहिये वरना ऐसा चलता रहेगा। उन्होंने कहा हमें देश के साथ खड़े होना चाहिये। क्रिकेट या हाकी या किसी भी खेल में हमें उनके साथ नहीं खेलना चाहिये।

जोकोविच चौथी बार बने लॉरियस स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर

मोनाको।

विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच चौथी बार प्रतिष्ठित लॉरियस विश्व खेल पुरस्कार में स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर बन गए हैं। जोकोविच को यहां सोमवार को आयोजित एक कार्यक्रम में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के लॉरियस विश्व खेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं महिलाओं में अमेरिका की स्टार जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के पुरस्कार से नवाजा गया। बाइल्स ने गत वर्ष विश्व चैंपियनशिप में रिकार्ड शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता था। उन्हें 2017 में भी यह पुरस्कार मिला था। जोकोविच ने कोहनी की सर्जरी के बाद वापसी करते हुए 2018 में विम्बलडन और यूएस ओपन के खिताब जीते थे।जोकोविच ने स्टार फुटबॉल खिलाड़ी किलियन एमबापे और लूका मॉडरिच के अलावा फॉर्मूला वन विश्व चैंपियन लुईस हेमिल्टन, एनबीए सुपरस्टार लेब्रोन जेम्स और केन्या के विश्व रिकार्डधारी मैराथन धावक इलियुद किपचोगे जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि जोकोविच ने इस साल जनवरी में स्पेन के राफेल नडाल को फाइनल में लगातार सेटों में 6-3, 6-2, 6-3 से हराकर रिकॉर्ड सातवीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता था। जोकोविच चौथी बार यह पुरस्कार जीतकर जमैका के महान धावक यूसेन बोल्ट की बराबरी पर आ गए हैं और स्विट्ज़रलैंड के लीजेंड टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर के रिकार्ड से एक कदम पीछे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सेरेना विलियम्स टॉप 10 में शामिल, ओसाका शीर्ष पर कायम

वाशिंगटन । अमेरिका की महान टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने विश्व की शीर्ष 10 महिला टेनिस खिलाडियों की सूची में दोबारा अपनी जगह बना ली है। महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) की ओर से सोमवार को जारी की गयी ताजा रैंकिंग में सेरेना ने 3406 अंकों के साथ 10वां स्थान हासिल किया है। जापान की नाओमी ओसाका 6970 अंकों के साथ इस सूची में शीर्ष स्थान पर कायम हैं। उल्लेखनीय है कि नाओमी ने चेक गणराज्य की पेत्रा क्वितोवा को हराकर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लेम ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल का खिताब जीता था। ताजा डब्ल्यूटीए रैंकिंग में रोमानिया की सिमोना हालेप 5537 अंकों के साथ दूसरा जबकि अमेरिका की स्लोने स्टीफंस ने 5307 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया है। वर्ष 2017 में एक बेटी को जन्म देने के बाद सेरेना ने पहली बार दुनिया की शीर्ष 10 महिला टेनिस खिलाडियों की सूची में अपनी जगह बनाई है। सेरेना ने एक सितंबर 2017 को बेटी एलेक्सिस ओलंपिया को जन्म दिया था। 23 बार की ग्रैंड स्लेम विजेता सेरेना ने गर्भावस्था के शुरुआती दिनों में जनवरी 2017 में ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता था। 37 वर्षीय दिग्गज टेनिस खिलाड़ी ने बेटी को जन्म देने के बाद मार्च 2018 में इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट से कोर्ट में वापसी की थी। सेरेना को वर्ष के पहले ग्रैंड स्लेम ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में कारोलिना प्लिसकोवा के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

शतरंज में भारत के 12 वर्षीय लियॉन बने इंटरनेशनल मास्टर

नोवी साद , सर्बिया (निकलेश जैन) भारत के 12 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी लियॉन ल्यूक मेंडोंका नें सर्बिया में हुए तीन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 17 दिन में अपने तीनों इंटरनेशनल मास्टर नार्म पूरे करते हुए और अपनी रेटिंग को जरूरी 2400 अंको के पार पहुंचाते हुए इंटरनेशनल मास्टर का टाइटल हासिल कर लिया । गोवा के रहने वाले लियॉन ऐसा करने वाले गोवा से पहले खिलाड़ी है और सबसे जल्दी इंटरनेशनल मास्टर बनने में भी वह भारत के बेहद चुनिन्दा खिलाड़ियों में शामिल हो गए है । सबसे पहले उन्होने परासिन ग्रांड मास्टर राउंड रॉबिन प्रतियोगिता खेली यहाँ पर लियॉन नें 9 राउंड में 3 जीत , 5 ड्रॉ और 1 हार के साथ 5.5 अंक बनाए और बड़े दिग्गजों के खिलाफ 2480 रेटिंग का प्रदर्शन करते हुए अपना पहला इंटरनेशनल मास्टर नार्म हासिल किया । उसके बाद उन्होने भाग लिया 105वे थर्ड सटरडे मास्टर्स में और यहाँ पर उनका प्रदर्शन और निखर कर सामने आया और उन्होने 9 राउंड में 6 जीत , 2 ड्रॉ और 1 हार के साथ 7 अंक बनाए और 2455 के प्रदर्शन के साथ दूसरा नार्म हासिल कर लिया । तीसरा और अंतिम नार्म हासिल किया उन्होने मिक्स्ड इंटरनेशनल नोवी साद में जहां पर उन्होने 9 राउंड में अपराजित रहते हुए 3 जीत और 6 ड्रॉ के साथ 6 अंक जुटाये और 2452 रेटिंग के प्रदर्शन करते हुए अपना तीसरा और निर्णायक इंटरनेशनल मास्टर नार्म हासिल कर लिया ।

भारतीय टेनिस की बेहतरी के लिए पेस, भूपति, सानिया को मिलकर काम करना होगा

मोनाको।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी बोरिस बेकर को लगता है कि भारतीय टेनिस के तीनों बड़े खिलाड़ियों लिएंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्ज़ा को अपने मतभेद भुलाकर देश में इस खेल की बेहतरी के लिए साथ मिलकर काम करना होगा। पिछले तीन दशक से एकल वर्ग में एक भी विश्व स्तरीय खिलाड़ी नहीं देने वाले भारत में इस खेल में सुधार के बारे में बात करते हुए बेकर ने कहा तीनों (युगल विशेषज्ञों) को टेनिस को आगे ले जाने के लिए मिलकर काम करना होगा। जर्मनी के इस दिग्गज खिलाड़ी ने पीटीआई से कहा कि टेनिस में भारत की सफलता का लंबा इतिहास रहा है। आपके पास बड़ी संख्या में खिलाड़ियों का पूल होना चाहिए ताकि उसमें से कोई आगे जाकर खिताब जीत सके। मौजूदा समय में मैं ऐसा होता नहीं देख रहा हूं। इसके साथ ही मैं यह भी कहूंगा कि हमें थोड़ा इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में टेनिस काफी लोकप्रिय है। शायद सानिया, भूपति और पेस जैसे खिलाड़ियों को कुछ करने की जरूरत है। मुझे पता है उनके बीच विवाद है लेकिन टेनिस के स्तर को सुधारने का यही एक तरीका है। जर्मनी और फ्रांस में भी ऐसा ही होता है पूर्व खिलाड़ी खेल प्रशासन में जाते है। बेकर ने इस मौके पर लय में चल रहे नोवाक जोकोविच की तारीफ करते हुए कहा कि वह रोजर फ़ेडरर के 20 ग्रैंडस्लैम खिताब के रिकार्ड को पीछे छोड़ सकते है। उन्होंने कहा कि इस सर्बियाई खिलाड़ी के पास अगले दो सत्र में यह उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। चोट से वापसी के बाद जोकोविच ने पिछले तीनों ग्रैंडस्लैम अपने नाम किये जिसमें ऑस्ट्रेलियाई ओपन का रिकार्ड सातवां खिताब भी शामिल है। फ़ेडरर 37 साल के हो चुके है लेकिन वह अभी भी दमदार तरीके से खेल रहे है। ग्रैंडस्लैम खिताबों को 17 बार जीतने वाले राफ़ेल नडाल भी चोट से उबरने के बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंचे। उन्होंने लॉरेस विश्व पुरस्कार के मौके पर कहा कि इस बात की संभावना है कि जोकोविच फ़ेडरर के रिकार्ड को तोड़ दे लेकिन इसके लिए उन्हें काफी मेहनत करनी होगी। यह सही है कि उन्होंने लगातार तीन ग्रैंडस्लैम में जीत दर्ज की लेकिन उससे पहले दो साल एक भी खिताब नहीं जीत सके थे। बेकर 2014 से 2016 तक जोकोविच के कोच भी रहे थे जिस दौरान उन्होंने छह ग्रैंडस्लैम खिताब जीते।

स्थिति के अनुसार खेलना जानता हूं: पंत

नई दिल्ली ।

इंग्लैंड में 30 मई से होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए महेंद्र सिंह धोनी के बैकअप माने जा रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि वह स्थिति के अनुसार खेलना जानते हैं और जल्द ही खुद को हालात से ढाल लेते हैं। पंत ने बहुत कम समय में ही अपने खास अंदाज़ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी विशेष पहचान बना ली है। पंत करीब नौ महीने पहले गर्मियों के मौसम में खुद के लिए जैसे किसी मौके का इंतजार ही कर रहे थे कि तभी विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा के चोटिल होने के कारण उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में मौका मिला और उन्होंने दोनों हाथों से इस मौके को भुना लिया। एक साक्षात्कार में पंत ने कहा, मैं उस समय इंग्लैंड में था और भारत ए की ओर से एकदिवसीय मैच खेल रहा था। ऋद्धि भाई चोटिल हो गए थे और चयनकर्ताओं ने मुझे बताया कि मैं तैयार रहूं, मुझे टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने मुझे चार दिवसीय मैच के लिए भी टीम में शामिल कर लिया। युवा विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा, वह इंग्लैंड लायंस के खिलाफ चार दिवसीय मैच के पहले दिन की सुबह थी। यह

उनकी करीब मुख्य टीम ही थी। टीम में एलेस्टेयर कुक, क्रिस वोक्स, सैम करेन, ओली पोप और डेविड मलान जैसे सभी खिलाड़ी शामिल थे। हम टॉस हार चुके थे और मैदान पर जाने ही वाले थे कि तभी राष्ट्रीय चयनकर्ता सरनदीप सिंह (नन्नू पा) ने मुझे बुलाया। उन्होंने कहा एक मिनट के लिए इधर आओ। उन्होंने मुझे भारत की टेस्ट टीम में चुने जाने की सूचना दी। उस समय मैं इतना खुश हुआ कि मैंने नन्नू पा को गले लगा लिया।÷

धोनी–विराट की भिड़ंत से होगी आईपीएल की शुरुआत

नई दिल्ली ।

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स और भारतीय कप्तान विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच 23 मार्च को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में भिड़ंत से आईपीएल 2019 की शुरुआत हो जायेगी। आईपीएल के इस सत्र के लिए मंगलवार को पहले दो सप्ताह का कार्यक्रम जारी किया गया और इस दौरान 17 मैच खेले जाएंगे। इस अवधि के दौरान छह टीमें चार-चार मैच खेलेंगी जबकि बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स अपने पांच लीग मैच खेलेंगी। सभी टीमों के दो घरेलू मैच होंगे और केवल दिल्ली तीन मैचों का आयोजन करेगी। आईपीएल संचालन परिषद की यह घोषणा इस ताकीद के साथ की गयी है कि तारीखों में परिवर्तन हो सकता है।

देश में 2019 के आम चुनाव इसी अवधि के आसपास होने हैं लेकिन चुनावों की तारीखों की घोषणा अभी नहीं की गयी है। आईपीएल की वेबसाइट पर एक बयान में कहा गया है- एक बार जब चुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी जाती है तो हम पहले दो सप्ताह के अंदर के किसी मुद्दे को देखेंगे और साथ ही स्थानीय अधिकारियों के साथ चुनावी तारीखों के मद्देनजर आईपीएल के शेष कार्यक्रम को तैयार किया जाएगा।

जबरदस्त मुकाबले में कपिल को हराकर फाइनल में पहुंचे मनदीप

नई दिल्ली। हवा सिंह अखाड़े के मनदीप ने गुरु हनुमान अखाड़े के कपिल धामा को जबरदस्त मुकाबले में हराकर गुरु मुन्नी की 43वीं पुण्यतिथि पर आयोजित 15वें गुरु मुन्नी गोल्ड कप दंगल में प्लस 85 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। गुरु मुन्नी अखाड़े में इस दंगल की सबसे बड़ी सेमीफाइनल कुश्ती में दोनों पहलवानों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। कपिल ने मुकाबले में आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले राउंड में 3-0 की बढ़त बना ली। लेकिन मनदीप ने दूसरे राउंड में गजब की चुनौती पेश की। मुकाबले में मात्र 25 सेकंड शेष रह गए थे और कपिल के पास 5-3 की बढ़त थी। अपनी बढ़त को बचाने की कोशिश में कपिल डिफेंसिव हो गए और मनदीप ने इसका फायदा उठाकर कपिल को अपने दांव में लपेटा और 2 अंक ले लिए। मनदीप के दो अंक लेते ही मुकाबला समाप्त हो गया और आखिरी दो अंक लेने के कारण मनदीप को विजेता घोषित किया गया। मनदीप का अब फाइनल में पवन से मुकाबला होगा। दिन के अन्य सेमीफाइनल मैचों में अनिकेत और योगेश्वर दत्त के शिष्य अनुज ने अपने अपने मुकाबले जीत कर 50किलो वर्ग के फाइनल प्रवेश किया। 55 किलो में राकेश अखाड़े के अमित और छत्रसाल स्टेडियम के अमित कुमार ने फाइनल में प्रवेश किया। 60 किलो में सलीम और अमित सिंह ने, 66 किलो में सुमीत और नेत्रपाल, 74 किलो में विकास और मोहित ने तथा 85 किलो में जितेश और नेत्रपाल ने फाइनल में प्रवेश किया। छोटे वजन वर्गों में 25 किलो में पवन और आर्यन, 30 किलो में रोहित और असद अली, 35 किलो में तुषार और प्रदीप, 40 किलो में सागर और अमित तथा 45 किलो में योगेश और सलीम ने फ़ाइनल में प्रवेश किया।

आईएसएल : गोवा ने केरल को हराकर रखा सेमीफाइनल में कदम

फातोरदा ।

पहले हाफ में किए गए दो गोलों की मदद से एफसी गोवा ने यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में केरल ब्लास्टर्स को 3-0 से हराते हुए हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के पांचवें सीजन के प्लेऑफ में जगह बना ली है। इस मैच से मिले तीन अंकों के साथ गोवा के कुल 31 अंक हो गए हैं। इस सीजन की उसकी यह नौवीं जीत है। इस शानदार जीत के साथ गोवा की टीम अंक तालिका में बेंगलुरू को पीछे करते हुए पहले स्थान पर पहुंच गई है। बेंगलुरू की टीम 31 अंकों के साथ पहली ही क्वालीफाई कर चुकी है। गोवा बेहतर गोल अंतर के कारण पहले स्थान पर पहुंच गया है। केरल 17 मैचों से 14 अंकों के साथ नौवें स्थान पर है। उसकी इस सीजन की यह सातवीं हार है। पहला हाफ पूरी तरह गोवा के नाम रहा। उसने फेरान कोरोमिनास और इदु बेदिया के गोलों की मदद से 2-0 की बढ़त के साथ यह हाफ समाप्त किया। गोवा का तीसरा गोल हुगो बोउमोस ने 78वें मिनट में किया।

आईएसएल-5 : प्लेऑफ से सिर्फ एक जीत दूर हैं हाईलैंड्र्स

गुवाहाटी ।

हाईलैंड्र्स नाम से मशहूर नार्थईस्ट युनाइटेड एफसी हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के पांचवें सीजन में सेमीफाइनल में पहुंचने से सिर्फ एक जीत दूर है। इस टीम का बुधवार को अपने घर में एफसी पुणे सिटी से सामना होना है और इस मैच से तीन अंक लेकर वह अपने लक्ष्य को हासिल करना चाहेगी। एल्को स्काटोरी की टीम उन चार टीमों में शामिल है, जो इस सीजन में सिर्फ तीन मैच हारी हैं। नार्थईस्ट की टीम ने 16 मैचों से 27 अंक अपने खाते में डाले हैं और अभी वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। एफसी गोवा और बेंगलुरू एफसी पहली ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं और अब दो स्थान रिक्त रह गए हैं। नार्थईस्ट ने अपने पिछले मैच में मुम्बई सिटी एफसी को 2-0 से हराया था। उस जीत ने उसे निश्चित तौर पर आत्मविश्वास दिया होगा और उसी के दम पर वह पुणे को पटखनी दे, अगले दौर का टिकट कटाना चाहेगी। स्काटोरी ने कहा, ÷मैंने अपने खिलाड़ियों से क्वालीफाईंग के सम्बंध में कोई बात नहीं की है। हम मैच दर मैच रणनीति पर चल रहे हैं क्योंकि हमने जब भी इसके बारे में सोचा, है निराशा हाथ लगी है।÷ नार्थईस्ट के कप्तान बार्थोलोमेव ओग्बेचे 12 गोलों के साथ इस टीम के सबसे अहम खिलाड़ी हैं। फेरान कोरोमिनास (14) गोलों के इस सीजन में सबसे अधिक गोलों के रिकार्ड को तोड़ने के लिए ओग्बेचे को दो गोलों की जरूरत है। ओग्बेचे को फेडरिको गालेघो से समर्थन और सहयोग मिलता है। गालेघो के नाम से कई सारे एसिस्ट हैं।सीजन में खराब शुरुआत के बाद पुणे ने नए मुख्य कोच फिल ब्राउन की देखरेख में फार्म हासिल कर लिया है। उसे बेंगलुरू एफसी के खिलाफ अंतिम हार नवम्बर में मिली थी। इसके बाद से स्टैलियंस नाम से मशहूर इस टीम ने पांच में से चार मैच जीते हैं और अभी 18 अंकों के साथ तालिका में सातवें स्थान पर है। ब्राउन ने इस टीम में नई जान फूंकी है। अब पुणे की टीम प्लेऑफ का सपना पाल सकती है लेकिन उसे मुम्बई और नार्थईस्ट के साथ होने वाले मैचों से पूरे अंक हासिल करने होंगे। ब्राउन ने कहा, ÷मैं जिस समूह के साथ काम कर रहा हूं, उससे प्रभावित हूं। मेरे खिलाड़ियों ने मेरी शैली के साथ शानदार तालमेल बनाय है। एक कोच होने के नाते और इस तरह के विकास से खुश होंगे।÷ पुणे ने अपने पिछले मैच में जमशेदपुर को हराया था और उस मैच में रोबिन सिंह ने दो गोल किए थे। आशिक कुरुनियन भी अच्छा खेल रहे हैं। नार्थईस्ट के खिलाफ मार्सेलिन्हो नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें चौथा पीला कार्ड मिल चुका है और इस कारण वह निलम्बित हैं। उनकी गैरमौजूदगी के बावजूद ब्राउन लगातार चौथी जीत की आस लगाए हुए हैं।

ये हरियाणवी छोरा दे सकता है ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती : हेडेन

मुंबई ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबात मैथ्यू हेडेन ने मंगलवार को यहां कहा कि मौजूदा समय में मार्कस स्टोइनिस भारत के होनहार हरफनमौला हार्दिक पंड्या से बेहतर खिलाड़ी है। ऑस्ट्रेलिया के लिए 103 टेस्ट खेलने वाले इस दिग्गज खिलाड़ी को भी लगता है कि तेज गेंदबाज पैट कमिंस दोनों देशों के बीच आगामी वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को मुश्किल में डाल सकते है। उन्होंने हालांकि भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की तारीफ करते हुए कहा कि हरियाणा का यह गेंदबाज बीच के ओवरों में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल को कड़ी टक्कर देगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के दौरे पर दो टी20 अंतरराष्ट्रीय और पांच एकदिवसीय मैच खेलेगी। जिसका आगाज 24 फरवरी को विशाखापत्तनम में टी20 मैच से होगा। हेडन ने दोनों देशों के तेज गेंदबाजी करने वाले हरफनमौला की तुलना करते हुए कहा, 'स्टोइनिस विश्व स्तरीय हरफनमौला के तौर पर उभर रहे है। वह दुर्भाग्यशाली है कि उन्हें ज्यादा टेस्ट मैच खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। वह एक स्तरीय खिलाड़ी, हालांकि हार्दिक भी अच्छे खिलाड़ी है।' हेडेन ने कहा, 'स्टोइनिस ने अपने खेल के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है जिससे वह अपने देश के लिए मैच जीत रहे है। हार्दिक के पास भी यही जिम्मेदारी है लेकिन मुझे लगता है कि स्टोइनिस बेहतर खिलाड़ी है।'

बिल्डरों के मसीहा बने उधना जोन के अधिकारी

सूरत। शहर के उधना जोन विस्तार में बड़े पैमाने पर अवैध बांधकाम किया जा रहा है। अब तो उधना जोन क्षेत्र में ऐसा लगता है की कुछ दिनों में सिमेंट का जंगल दिखने लगेगा। उधना जोन के अधिकारी बिल्डरों पर इतने महरबान है कि वे इन अवैध बांधकामों पर कोई कार्यवाही नहीं कर रहे है, क्या इसके लिए वे मोटी रकम लेकर शांत हो गए है या फिर किसी के दबाव में ये काम कर रहे है? लेकिन यही अधिकारी जब किसी गरीब का घर बनते देखते है तो इनके तन बदन में आग लग जाती है और उसके सपनों के घर का डिमोलेशन कर उसे नेश्तोनाबुत कर देते है।

श्री छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक समिति लिंबायत ने मनाई शिव जयंति

सूरत। लिंबायत में श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंति धूमधाम से मनायी गई। जगह-जगहों पर शोभायात्रा, रैली सहित कार्यक्रम हुए। इससे पूर्व पुलवामा में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। लिंबायत के नीलगिरी विस्तार में स्थित शिवाजी प्रतिमा को पुष्पाजंलि अर्पित कर शिवाजी जयंती मनायी। शिवाजी जयंती के अवसर पर श्री छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक समिति लिंबायत द्वारा शिवजयंती महोत्सव मनाया गया। जिसके तहत दोपहर 3 से 6 बजे तक लिंबायत स्वामी समर्थ केन्द्र से नीलगिरी सर्कल होकर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा तक भव्य शिव रैली निकाली। श्री छत्रपति महाराज की भव्य शिव रैली का प्रस्थान महेन्द्रसिंग सूरतिया (उपाध्यक्ष गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति), बाबूभाई रायका (शहर कांग्रेस प्रमुख), प्रफुल तोगडिया (मनपा नेता विपक्ष कांग्रेस), सुरेश सोनवणे (अन्य भाषा-भाषी सेल), श्री छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक समिति के प्रमुख डॉ. रविंद्र सुकलाल पाटिल और महामंत्री उत्तमराव पाटिल ने की। शिव रैली में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

दिव्यांग ने शहीदों के परिवार के लिए 5000 रुपए दिए

सूरत। सूरत के एक दिव्यांग ने शहीदों के परिवार को फूल नहीं तो फूल की पुंखडी भेंट कर उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। ज मू-कश्मीर के पुलवामा आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 44 जवान शहीद हो गए थे। शहीदों के परिवारों के लिए व्यक्तिगत, स्वैच्छिक संस्थाओं समेत छोटी-मोटी कंपनियां यथा उचित आर्थिक मदद कर रही हैं।

सूरत के एक दिव्यांग युवक भी शहीद परिवारों की मदद को आगे आया है। रोहनकुमार चासिया नामक दिव्यांग युवक नेशनल पेरा स्वीमर है। 90 फीसदी दिव्यांग और नेशनल पेरा स्वीमर रोहन चासिया को स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ गुजरात की ओर जीत की रकम मिली थी। रोहन चासिया ने इस रकम से कुछ योगदान शहीदों को परिवारों को देना फैसला किया।

सूरत। बाबा परमानन्द सेवा समिति द्वारा श्री परमहंस बाबा परमानंदजी की पुण्यतिथि महोत्सव मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बाबा परमानंदजी का दरबार वी.आई.पी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर के लखदातार हॉल में सजाया गया। श्रृंगारित दरबार के समक्ष दोपहर 2 बजे से भगवन शिव का रुद्राभिषेक मंत्रो के साथ किया गया एवं 5 बजे से हवन पूजन का आयोजन किया गया। पुण्यतिथि महोत्सव में शाम 6 बजे से गुरुपूजन और उसके पश्चात महाआरती की गयी। आरती के बाद समिति द्वारा महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया। पुण्यतिथि महोत्सव में विशाल भजन संध्या का आयोजन रात्रि 9:30 बजे से किया गया। भजन संध्या में उच्चकोटि के संगीतज्ञों द्वारा शास्त्रीय संगीत के साथ भजनों की शानदार प्रस्तुति दी गयी। देर रात तक चली भजन संध्या में सभी भक्तों ने बाबा का गुणगान करते हुए भक्ति रुपी गंगा में गोते लगाए।

वीएस अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ के द्वारा आतंकी हमले में शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए रैली का आयोजन किया गया था।

मुफ्त इलाज व ऑपरेशन की सीमा पांच लाख तक की गई

वित्तमंत्री नितिन पटेल ने विधानसभा में राज्य का लेखानुदान बजट पेश किया

करीब १२ हजार २४१ करोड़ के लाभ के बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, विधवा पेंशन, युवा के साथ आधारभूत विकास पर खास ध्यान दिया गया

अहमदाबाद। गुजरात में प्रति व्यक्ति आय दर में १२.६ फीसद का इजाफा हुआ है। राज्य के व्यक्तिकी औसत आय अब एक लाख ७४ हजार ६५२ रुपये पहुंच गई है। राज्य की वार्षिक वृद्धि दर ९,९ है जो बड़े राज्यों में सबसे अधिक है। राज्य की जीवन रेखा समान नर्मदा परियोजना पर वर्ष २००१ से अब तक ५१७८६ करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

वित्तमंत्री नितिन पटेल ने मंगलवार को विधानसभा में राज्य का लेखानुदान बजट पेश किया। करीब १२ हजार २४१ करोड़ के लाभ के बजट में सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, विधवा पेंशन, युवाओं के साथ आधारभूत विकास पर खास ध्यान दिया है। पटेल ने बताया कि गरीब व मध्यम वर्ग के नागरिकों के मुफ्त इलाज व ऑपरेशन की सीमा को तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख तक किया गया है। विधवा पेंशन को हजार से १२५० रुपये करने के साथ पुत्र के वयस्क होने पर भी पेंशन जारी रखने का फैसला किया गया है। राज्य के कृषि उत्पादन दर में १२,११ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, वहीं राज्य के पशुधन में १५ फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है। आंगनवाड़ी वर्कर को अब ९०० रुपये बढ़ाकर ७२०० रुपये तथा आशावर्कर के वेतन में भी दो हजार रुपये का इजाफा किया गया है।

गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) के अमल के बाद राज्य ने नया कोई कर इस बजट में नहीं लगाया है। करीब एक लाख ५५ हजार करोड़ के बजट में सरकार ने १२ हजार २४१ करोड़ ४० लाख का लाभ दर्शाया है। वित्तमंत्री ने बताया कि वर्ष २०१७-१८ में सरकार की करों से आय ६४४४३ करोड़ से बढ़कर ७१५४९ करोड़ पहुंच गई है। स्टांप ड्यूटी की आवक ५७८३ करोड़ से ७२५५ करोड़, मोटर व्हीकल टैक्स की आवक ३२१३ करोड़ से बढ़कर ३८८५ करोड़, इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी की आवक ५८३३ करोड़ से बढ़कर ६४६४ करोड़ रुपये हुई है। हाल में अपनी गुजरात यात्रा के दौरान वित्त आयोग के सदस्यों ने राज्य के वित्तीय प्रबंधन की प्रशंसा की है। सरदार सरोवर नर्मदा बांध की पूर्ण ऊंचाई १३८,६८ मीटर तक ले जाई जा चुकी है। इस पर वर्ष २००१ से २०१८ तक ५१७८६ करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। नर्मदा मुख्य कैनाल ४५८ किमी तथा ३७ ब्रांच कैनाल २६१७ किमी तक पूरा हो चुका है। नर्मदा नहर की ७१७४८ किमी लंबाई में से अब तक ६०४२७ किमी तक ८४ प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इस योजना से ९ हजार ८३ गांव और १६६ शहरों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात की पहली मेट्रो ट्रेन का चार मार्च को अहमदाबाद में उद्घाटन करेंगे। वस्त्राल से अपेरल पार्क तक साढ़े छह किलोमीटर तक का ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। वर्ष २०२० तक फेज-१ का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। अहमदाबाद, राजकोट, सूरत व वडोदरा के लिए सरकार ७०० इलेक्ट्रिक बसों को मंजूरी दे दी है। इससे पर्यावरण प्रदूषण को भी कम किया जा सकेगा।

केंद्र के जैसे ही गुजरात सरकार द्वारा भी घोषणाएं

लेखानुदान हाईलाइट्स......

- पीएम किसान सम्मान योजना से गुजरात के ४० लाख किसानों को लाभ होगा।
- समय पर ब्याज सब्सिडी देने के लिए ५०० करोड़ रुपये की फंड की घोषणा।
- वर्ष २०१७-१८ में गुजरात के अर्थतंत्र में विकासदर ११.२ फीसदी
- ८ नए वॉटर डिसेलिनेशन प्लान्ट विकसित किया जाएगा।
- फीशिंग नाव के लिए डिजल पर वेटसब्सिडी प्रति लीटर रुपया होगा
- पाकिस्तान द्वारा गिरफ्तार किए गए मछुआरों के परिवार के लिए आजीवन आजीविका हररोज का भत्था १५० से बढ़ाकर ३०० रुपये किया गया।
- बांध के निर्माण के लिए वॉटर डेवलपमेन्ट के लिए नियमित आवंटन के अलावा ३२९ करोड़
- २०१९-२० में नर्मदा नहर के विकास के लिए ६९४५ करोड़ रुपये आवंटन
- मा वात्सल्य इंश्योरेन्स कवर ३ लाख से बढ़ाकर ५ लाख किया गया। इसके ६८ लाख लोगों को लाभ होगा
- एमए स्कीम के लिए आय सीमा तीन लाख से बढ़ाकर ४ लाख की गई।

हिसाब नहीं मिलने से एएमसी प्रशासन विवाद में

पश्चिम जोन में ७५० करोड़ रुपये के सड़क के कार्य का हिसाब नहीं

अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा सड़क के कार्य में चल रही अनियमितता को नजरअंदाज कर दिया जाता है यह सभी को मालूम है। इसमें कई भ्रष्ट अधिकारियों की कॉन्टैक्टर के साथ मिलीभगत का पर्दाफाश होने से पहले के कमिशनर द्वारा नोटिस भेजी गई थी। पश्चिम जोन में पिछले पांच वर्ष के ७५० करोड़ रुपये के सड़क के कार्य का हिसाब ही पेंडिंग में रहे होने की चौंकाने वाली जानकारी सामने आने से एएमसी शासकों में खलबली मच गई। करोड़ों रुपये के काम का हिसाब पेंडिंग में चले जाने और एक विवाद में घिर चुका है।

अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा विशेष करके सड़क के काम में अभी भी क्वॉलिटी बरकरार नहीं रहती है यह भाजपा के सदस्यों की शिकायतों के बीच पश्चिम जोन में पिछले पांच वर्ष के सड़क के कार्य का हिसाब नहीं मिलने का मामला म्युनिसिपल गलियारों में इस पर काफी चर्चा हो रही है।

शहर के पश्चिम जोन में हर वर्ष सड़क रिसरफेसिंग, पेचवर्क और नए सड़क के काम के पीछे करीब १५० करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं पिछले पांच वर्ष में औसत ७५० करोड़ रुपये के सड़क के कार्य हुए हैं। पश्चिम जोन के इंजीनियर विभाग द्वारा यह काम कराते समय किस काम के लिए कौन-से कॉन्ट्रैक्टर को कितनी रकम का फाइनल बिल भुगतान किया गया इसकी जानकारी तैयार करनी पड़ती है, जिसमें संबंधित वोर्ड की प्रतिवोर्ड सड़क के काम और इसके लिए किए गए पेमेन्ट की विस्तृत जानकारी शामिल है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**